भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

सैन्य कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3558

04 अप्रैल, 2022 को उत्तर के लिए

अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति

3558. श्री नीरज डांगी :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सैन्य कर्मियों की ड्यूटी के समय हुई मौतों के कारण अनुकम्पा आधार पर दी गई नौकरियों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इन सैन्य कर्मियों के सगे-संबंधी को दी जाने वाली नौकरियों संबंधी कितने मामले लंबित हैं; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (ग): सशस्त्र सेनाओं के कर्मियों की ड्यूटी के समय हुई मौतों के स्थान पर भारतीय नौसेना द्वारा की गई नियुक्तियों का राज्य-वार ब्यौरा नीचे सारणी में दिया गया है:-

क्र.सं.	वर्ष	राज्य	नाविकों के रूप में की गई भर्ती की सं.
(i)	2019	आंध्र प्रदेश	01
		हरियाणा	02
		राजस्थान	01
(ii)	2020	आंध्र प्रदेश	01
		असम	01
		जम्मू और कश्मीर	01
		महाराष्ट्र	02
		उत्तर प्रदेश	01
(iii)	2021	हरियाणा	02
		हिमाचल प्रदेश	01
		राजस्थान	01

वायु सेना कार्मिकों के आश्रितों के लिए विभिन्न कमान मुख्यालयों और एयर वेटरन्स निदेशालय (डीएवी) के माध्यम से लेवल -1 एवं लेवल-2 के पदों के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं । इस प्रकार के नियुक्त व्यक्ति के लिए सेवा दायित्व संपूर्ण भारत में होता है और इसलिए राज्य-वार ब्यौरा उपलब्ध नहीं है । तथापि, भारतीय वायु सेना द्वारा मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दी गई नियुक्तियों की संख्या इस प्रकार है:-

वित्तीय वर्ष	एयरमेन/एनसी (ई) के आश्रित
2018-19	01
2019-20	04
2020-21	05

भारतीय थलसेना अनुकम्पा के आधार पर की जाने वाली नियुक्तियों के केन्द्रीकृत आंकड़े नहीं रखती है और इनका रख-रखाव संबंधित लाइन निदेशालयों द्वारा किया जाता है ।

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति की योजना के अंतर्गत, नियुक्ति सीधी भर्ती के रिक्त पदों के 5 प्रतिशत तक सीमित है, इसलिए ऐसे आवेदक जो कम मेरिट अंकों के कारण चयनित नहीं हो पाते हैं वे उस विशेष वर्ष के लिए अस्वीकृत कर दिए जाते हैं । तथापि, इन आवेदकों के पास आगामी वर्षों में अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए पुनः आवेदन करने का विकल्प होता है ।

*****